ब्रह्मचारी के बाद अब चन्द्र स्वामी

—शशांक मेहता—

नई दिल्ली, 8 मार्च।

पता चला है कि रहस्यमय तांत्रिक चन्द्रस्वामी इन दिनों सदाचारी इस में वीरेन्द्र ब्रह्मचारी का स्थान पाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस (इ) के कुछ प्रमुख नेता, इनके रिश्तेदार और इनसे हमदर्दी रख चुनाव में राजनैतिक यह की सहायता पाने के लिए चन्द्रस्वामी को आश्रम और सुविधाएं मुहैया में लगे हुए हैं।

दो वर्ष तक भारत से गायब रहस्यमय चन्द्र स्वामी के अचानक दिल्ली में सक्रिय होने की सूचना मिलने पर इस संवाददाता ने इनकी संदिग्धियों की खोजबीन की। कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

यह पता चला है कि चन्द्र स्वामी भी वीरेन्द्र ब्रह्मचारी की तरह नई दिल्ली और अन्य स्थानों पर 'योग' के नाम पर आश्रम स्थापित कर रहे हैं। इस काम के लिए कांग्रेस (इ) के कुछ प्रभावशाली नेताओं ने इन्हें कतुब बीकार के पास 'भूतुब होटल' के बिल्कुल पीछे करीब एक एकड़ जमीन दिलवा दी है। 'इंटरनेशनल एरिया' के नाम से परिचित इस क्षेत्र के सीधे-सादे मुसलमानों पर सरकारी इमारतें बन रही हैं। चन्द्र स्वामी के आश्रम के पास स्वास्थ्य मंत्रालय से संबंधित एक डिपो है।

राष्ट्रपति नहीं जाए

मालूम हुआ है कि चन्द्र स्वामी ने आश्रम के शिलान्यास के लिए राष्ट्रपति की स्वीकृति पाने में सफलता प्राप्त कर ली थी और कार्ड छपवा कर बांट दिए थे। बड़ी संख्या में इंटर-नई योग, जिनकी कलाकार, उद्योग व्यापारी वहां पहुंचे और उ का कार्यक्रम होने के बाद सरसों पूसरा का इंतजाम लेकिन जोरत खत्म में व के पहुंचने का कार्यक्र हो गया।

बताया जाता है कि इस क्रम में राष्ट्रपति के जाने वाले प्रचार से आयोजक से दंग थे और इंदोलिजेन्स ब्यूरो को रिर्ट को ध्यान में रखकर

(शेष पृष्ठ 6 कालम 4

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का कार्यक्रम अचानक रद्द कर दिया गया था।

जब यह संवाददाता आश्रम के निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचा तो चौकीदार ने बताया : "स्वामीजी पिछले दिनों बराबर यहां आते रहे हैं और अभी तो केवल चारों तरफ सीमेन्ट चार फुट ऊंची दीवार खड़ी हुई है। गर्मियों तक काम में तेजी आएगी।"

पड़ोस के डिपो में काम करने वाले लोगों से पूछने पर पता चला कि शिलान्यास वाले दिन बड़ा धूमधाम थी। बहुत से नेता, संत और पैसे वाले लोग आए और आएं होना स्वाभिनी।

स्वामीजी कहां ठहरे हैं?

चन्द्र स्वामी ठहरे कहां हैं? इस गुत्थी को सुलझाने के लिए दर्जन कई फोनों के चक्कर लगाने पड़े। भारत से गायब होने से पहले स्वामी डॉ वर्ष एवं चन्द्र स्वामी बसंत विहार में रहते थे। वहां पहुंचने पर पता चला कि मंत्रीत्व मंत्री श्री भागवत झा आजाद के घर पर हुए गोलीकांड के कुछ दिनों बाद चन्द्र स्वामी ने यह मकान छोड़ दिया था और वह सपरिवार अमेरिका चले गए थे। कई नेताओं और हाई-सभ में विश्वास करने वाले लोगों से बातचीत करने पर पता चला कि इस बार भारत आने पर चन्द्र स्वामी सेक्टर कनॉट में कहीं ठहरे हैं।

सेक्टर कनॉट में दो हैं—पार्ट 1 और पार्ट-2। मकानों की खरीद-बिक्री करने वालों ने कहा कि चन्द्र स्वामी ने हाल ही में यहां कोई मकान नहीं खरीदा। किराए पर कोई मकान लिया है या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हुई। तभी किसी ने बताया : पार्ट-1 में एक फ्लैट में एक स्वामी ठहरे हैं। इस पते पर फोन करने से पता चला कि वह अब वहां नहीं रहते, इन्फ्लैट में रहते हैं। फोन न० भी दिया।

पहले फोन किया, तो किसी नौकर ने बताया—चन्द्र स्वामीजी बाहर गए हैं। शाम तक आएंगे।

शाम को फोन करने पर पता चला— साढ़े सात बजे स्वामीजी एक उद्योगपति और सांसद श्री करणजीत सिंह। यह उनका पहला दौरा है।

अमेरिका में सांसद्भ्रम

करीब (इ) के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत पर पता चला कि इस समय श्री अडवाल कपूर ही चन्द्र स्वामी को प्रभावशाली बनाने के लिए सर्वाधिक प्रयास कर रहे हैं। उनका एक संदेश तो स्वामीजी के साथ ही रहता है। इन्हीं लोगों ने बताया कि १९८० में चन्द्र स्वामी ने चंडीगढ़ से लगभग १० किलोमीटर दूर कालका गांव के पास मनसाद्वीपी मंदिर में महान चण्डी महायज्ञ किया था। तब भी अडवाल कपूर व्यवस्था में। इस समय भी कई प्रमुख नेता और मंत्री स्वामीजी को कुछ से आती राजनीतिक चुनौती (चुनाव) से निपटने चाहते हैं।

चन्द्र स्वामी के नजदीक होने का दावा करने वाले एक राजनीतिक मंत्र ने बताया कि चन्द्र स्वामी अमेरिका में सेहत सांसद्भ्रम हुए हैं और उपराष्ट्रपति जार्ज बुश द्वारा भेजे गए कई पत्र स्वामीजी स्वयं लिखते हैं।

चन्द्र स्वामीजी के भक्तों के अनुसार, उन्होंने बंगाल के स्वर्गीय योगीराजजी से तंत्र ज्ञान पाया, जो वाराणसी में रहते थे। चन्द्र स्वामी १९६९ से तंत्र-मंत्र के क्षेत्र में सक्रिय हैं और ५० देशों में उनके शिष्य हैं। स्वामी सदाचारी भी उनके सान्निध्य में तंत्र सीखे हैं।